भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

ग्रामीण शब्द-कोष

अँकवार - दोनों भुजाओं के बीच का घेरा

अंगेया - भोज-निमंत्रण

अंचवल - भोजन करने के बाद हाथ धोना

अंटीकइल - गाय-भैंस के बदमाशी करने पर

अइंचा - कनडेर

अइसन - ऐसा

अउस - उष्ण

अकाज - विलम्ब

अकुनिया -

अगतियार - अख्तियार, अधिकार

अगराइल - इतराइल, उमंग में होना

अगाड़ी - आगे का

अगोरल - रक्षा करना, देख-रेख करना

अघोरी - औघड़, घृर्णित काम करने वाला, अभक्ष्य भोजन करने और गंदा रहने वाला

अछरंग - दोष

अछूत - जो छूने लायक न हो, जिसे किसी विशेष प्रयोजन से रखा गया हो, जैसा पूजा पाठ के लिए

अजवारल - एक बर्तन का सामान दूसरे में सुरक्षित करना

अझोरहट - अझुराइल, जैसे धागों का परस्पर उलझ जाना, गुत्थम-गुत्था हो जाना।

अटक- बहेरा उ व्यर्थ का सामान

अड़कसिया - लकड़ी चीरने वाला

अड़ार - नदी कटाव के समय किनारे से गिरने वाला मिट्टी का बड़ा पिण्ड

Content given by BHU, Varanasi

Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

अदकल - जब दुधारूपशु दुहाने से इंकार कर दे, दूध दुहने न दे, तो उसे पशु का अदकना कहा जाता है।

अदहन - चावल पकाने के लिए गर्म किया गया पानी

अधिकई - अतिरिक्त, औकात या सीमा के बाहर काम करना, ज्ञान नहीं फिर भी किसी काम में हाथ डालना

अधीरजी - जिसको धैर्य न हो, हकुलाह, आवश्यकता से अधिक खाने वाला

अनइस बीस उ कम बेस

अनकठल बात उ असह्य वाणी

अनकहल - बिना कहे या बुलाये आने वाला

अनखाती - बहुत कम अन्न खाने वाला

अनचितले - हठात, एकाएक

अनठिआवल - सुनकर भी अनसुना करना

अनदेखना - जो दूसरे की तरक्की देखकर जले

अनबेगल - बिना जाने-सुने, बिना समझे-बूझे

अनमना - मन न लगाने, रूचि न लेने वाला

अनस - उब्र, खींज

अनसाइल - बेवजह तुनकना, नाराजगी

अनहर - फालतू, बिना काम के, निकम्मा

अनेरिया - अज्ञात व्यक्ति, लवारिस

अपटा पटौनी - खेत में पानी छोड़ देना, अपने-आप सिंचाई

अपनाइत - अपना

अब-तब उ शीघ्र संभाव्य

अभगती - भाग्यहीन, अभाग्य लाने वाली

अभागा - दुर्भाग्यशाली, जो कुछ न करे खाकर पटाया रहे, अकर्मण्य

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

अमल - नशा

अरंगी-भरंगी उ पौनी-पझारी, घर में सेवा-टहल करने वाले जन

अरगनी - रेंगनी, हैंगर

अरधी - एक को छोड़, दूसरे से शादी करने वाली औरत

अरुआइल - बासी भोजन जिसमें गंध आ गया हो।

अलहट - चिल्लाहट

अलोका - अतिप्रिय

अलोता - आड़ में, पर्दे के पीछे

अवारा - बिना नाथ-पगहा के, स्वच्छंद

असरा - लकड़ी का कच्चा भाग

अहरा -गोंइठा की आग

अँटकर (से) - हिसाब से, समझ-बूझकर

आँख-मिचौनी उ लूका-छिपी

आँगछ - लक्षण, किसी को देखने या उसकी उपस्थिति मात्र से काम बनने या बिगड़ने की एक मनोवैज्ञानिक धारणा। इ स संदर्भ में कहा जाता है कि उसका आँगछ ठीक है/नहीं है।

आँट - उपाय, अनुमान, बैर

आँतर - अन्तर देकर जुताई, बुआई

आंइज-गांइज उ हिल्ला हुज्जत

आगर - गुणवान

आठे-काठे उ गिन-चुनकर

आड़ -पेंच उ कोई आड़-पेंच नहीं, जिससे इज्जत बचे

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

आनकर - दूसरे का

आनन-फानन उ जल्दीबाजी

आनल - लेआवल/सामान लाना

आरी - अरिया, कगरी

आव-भगत उ स्वागत

आहड़ - गाय/भैंस का थन

उकठा - सूखा ईख

उकसावल - उत्प्रेरित करना

उखम - अउस/उष्ण

उखी-विखी - उम्र-चूभ, बेचैनी

उगरिन - उत्रष्ण, उदित होने का समय

उघरल - खुला (दृद्रङ्खद)

उघारे - नंगा

उचकुन - किसी वस्तु को थोड़ा ऊँचा या समतल करने के लिए उसके नीचे लगाया जाने वाला लकड़ी, पत्थर या मिट्टी का छोटा टुकड़ा

उचबिआन उ देर से बिआने पर

उचाट - उजाड़, निर्जन

उजिआइल - उपजना, बढ़ना

उठक-बैठक उ व्यग्रता

उठल - गाय का उठना, बर्दाने के लिए बेचैन होना

उठौना - किसी चीज का नियमित क्रय, जिसके मूल्य का भुगतान एक निश्चित समय पर किया जाता है।

Content given by BHU, Varanasi

Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

उढ़री - भगाई हुई ब्याही औरत

उतान - चित्त

उदबास - हटाने का उपक्रम, दूर करने की कोशिश, (झंझट या परेशानी के वस्तु विषय या व्यक्ति से मुक्त होने की व्यग्रता)

उदबेग - बेचैनी (उदबेग लगावल - परेशान करना)

उदिया-गुदिया उ सबकुछ

उदेन - कुदिन

उधिआइल - उड़ा हुआ

उफरपरना - बिलाला

उबेर-उखेर उ वर्षा खुलना

उमकल - उमंग होना

उरेहल -रेखा खींचना, निर्माण करना (व्यंग्य)

उलदी - छोटा कठवत

उलाड़ - उठान (गाड़ी का उलाड़, बैलगाड़ी पर जब पीछे अधिक माल लाद दिया जाता है, तब अगले हिस्से का ऊपर उठना, हल्का हो जाना उलाड़ कहलाता है)

उसटावल - कुछ फसल, जैसे गन्ना, परवल आदि एक बार बोकर चार-पाँच वर्ष तक काटा जाता है, अब दूसरा फसल लगाने के लिए उसे हटाना 'उसटावल' कहा जाता है।

उसर - जिसमें फसल न ऊगे

उसर-बासी - व्यग्रता, बेचैनी

ऊखा - अफवाह

ऊपर-झांपर उ किसी तरह

ऊभ-चूभ उ बेचैनी

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

उँढ़ी - ढेर, पूंज, (उद्ध-संस्कृत), ढोया अथवा ले जाया गया बोझ आदि

एकहवा - अकेले रहने वाला, एकान्त प्रेमी

एहवात - शादी-शुदा औरत, जिसका पति जीवित हो

ओइलल - फटकल, पइंचल

ओठँगना - सोना, शयन

ओतने - (परिमाण वाची) कम से कम के अर्थ में

ओन्हावल - ढँकना, उलटकर रखना

ओरचन - खटिया के पैताने की रस्सी

ओरहन-बहिनी उ शिकवा-शिकायत

ओरिए-खोरिए उ जोर चेतके

ओलार - ढरकाउ, छिछला सतह

ओलारा - पक्ष में

ओहरल - दबना, पचकना (घाव ओहर गइल)

कँदवा - पानी में खेत की जुताई

केंखौरी - कोख में फोड़ा

ककही - केंघी

कग भख्खा (करजिभ्भा) - वह व्यक्ति, जो कहे सो हो जाय

कचरी - चने के भिंगोये दाल की पकौड़ी

कचरो-डमरो उ अशान्ति

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

कचाहिन - छीया-लेदर

कचोट - अफसोस, हृदय में कचोट

कचोनिया - चावल का कच्चा कसार

कजर हटिया उ जिद्दी, झगड़ालू

कठकोआ - कटहल का कोआ, जिसमें बीज अधिक हो

कठबेंगुची - काष्ठ में रहने वाला छोटा बेंग

कठेस - कड़ा, कसा हुआ

कढ़ावल - शुरूकरना

कथी - क्या

कनखा - पतुकी या तसले के गर्दन का मुड़ेर

कनफोरवा - विभेद उत्पन्न करने वाला, कान भरने वाला

कनबोज - कनपटी

कनवा - छटांक

कनैठी - बहंगी (भार ढोने वाला बत्ता)

कपसल - अधखिला, जिसका विकास रूक गया हो

कबारल - छिछोरल, उखाड़ल

कमरा - कोठरी, कम्बल

करकसा - कर्कस, कठोर वचन बोलने वाला

करम - कर्म, नसीब

करमकीट - कर्म-कीट, काम को बिगाड़ने वाला

करमजरू- जिसका कर्म (पौरूष, प्रताप) जल गया हो, कर्म से हीन

करलूठा - काला

Content given by BHU, Varanasi

Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

करवाँ - भंडुका, चूकड़

करवाइन - जिस बर्तन में मछली-मांस पकाया अथवा रखा जाता है, उसे करवाइन बर्तन कहते हैं।

करेजटुटू उ असहाय, कमजोर लइका

कल से - आहिस्ते से, तकनीक से

कल-कराह - गुड़ पेराई के मशीन एवं कड़ाह

कलकान - झगड़ा-फसाद

कलपल - आशा में भूखों रह जाना

कलमुँहा - कलहकारी

कलाबिन उ नकली औरत

कल्टा देहल उ इन्तजाम न होने पर गाय का दुर्बल हो जाना

कसहा - कांस्य-निर्मित, कसैला

कहनाम - कथन, कहावत

कहार - कहरने वाला, भार ढोने वाला

काँच - कुँआर लइका उ अविवाहित लड़का

काँची - कांची रोटी

कांदो - पांक

काछ - भींगे वस्त्र से जंघे (पट्टे) में दानेदार फुंसी का निकल आना

काढ़ना - निकालना

कानू - पारचून का व्यावसायी

कान्ह - केंघा

काशी के फिरता - चतुर

काशीवाल - बदचलन

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

किनकिन - भोजन में बालू या मिट्टी का कण, जब दाँतों के बीच पड़ता है, तो जो अनुभूती होती है, वह किन-किन है।

कीता - (संख्यावाची शब्द) जैसे पाँच कीता मकान

कुँवर ठेल उ जवान

कुअतल उ इन्तजाम न होने पर गाय-भैंस का बिगड़ जाना

कुइस - भूरा आँख वाला

कुकर्मी - कु-कर्म, खराब काम करने वाला

कुटकुर - आर्द्रता रहित वातावरण

कुपातर - कु-पात्र, अयोग्य

कुम्हकरन उ खूब सोने वाला, आलसी

कुरबुराह - अनावश्यक टीका-टिप्पड़ी करने वाला

कुर्ई - मौनी, सींक एवं मूंज से बनाया गया बर्तन

कुलबोरना - कुल को बदनाम कराने वाला

कूंची - बिखरे हूए पतले-पतले डंटल का समूह, झाड़ू

कूतल - अनुमान करना

कूरखेत (कुरक्षेत्र) - एकान्त स्थल

केकरा - किसका

केथा (केंथा) - गेनरी, गुदरा

केरवनी - सोहनी

कोइसा - भूरे आँख वाला

कोठ - खट्टा (दाँत कोठ हो गइल)

कोठिला - अन्न रखने वाला दरबा

कोठी - मकान

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

कोत - काना

कोतार - ठुनमुन, मोंट-झोंट

कोनहरल - आडा-तिरछा जुताई

कोनाई - भूसी

कोपनाइल उ पेन्हाव खतम होना

कोर पोंछुआ (पेट पोंछुआ) - अन्तिम संतान

कोरा - गोद

कोलवांसी - पेड़ पर ही दाग लगा हुआ आम का टिकोरा

कोल्ह - नदी में काफी गहराई वाला स्थान, जिसमें पानी में कम बहाव होता है।

कोल्हू - तेली का तेल पेरने वाला उपकरण

खंखोरी - गुड़ पकाने वाले कड़ाह अथवा दूध उबालने वाले बर्तन में बचा हुआ माल खंखोर कर निकालने पर खंखोरी कहलाता है

खूंटी - एक साल कटने के बाद दूसरे, तीसरे साल गन्ने का फसल खूंटी कहलाता है

खउक - उद्विग्न

खउर - मुंडन (श्राद्ध में)

खउराखापट - नुकसान करने वाला

खउराह - नुकसान करने वाला, असभ्य

खखनल - किसी चीज के लिए तरसना

खखुआइल - असंतोष (खाने के सन्दर्भ में)

खचड़ी उ खच्चर-सी (गदही)

खटकिन - खटिक की औरत, लड़ने वाली

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

खटल - परिश्रम करना

खदकल - खौलना, उबलना

खदुका - ऋण लेने वाला

खम-खम उ अचानक

खर-बतुस उ उपकरण/उपस्कर

खरकटल - जूठा बर्तन, जिसमें अन्न सूख गया हो

खरकाना - निकालना

खरिका - भोजनोपरान्त दाँत खोदने का पतला सींक

खलोर - खाल जमीन

खवास - सेवक

खाँच - बड़ा छैंटा

खाँचल - खाँची (टोकरी) भर खाना

खाँची - टोकरी

खाक बेलाय - बेकार, कुरूप, अनाकर्षक, अरुचिकर

खाड़ उ खुर

खातिर - स्वागत, लिए

खादार - दुखिया, अभिभावक

खानगी - वेश्या (पुतरिया)

खाल - गढ्ढा, छाल

खाली - रिक्त, सिर्फ, मात्र

खिरका - खिसिआह

खिरकिट्टी - दुबला-पतला

Content given by BHU, Varanasi

Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

खींच-तिरके उ जोर चेतकर

खुड़ूर - डगर (खुर - पैर से बना), पैदल रास्ता

खुर - पशु पैर का तल

खूँट - खूँटा, अंचरा के किनारे बंधा हुआ

खूंथ - सतह से कटे हुए पेड़/पौधे का भूमि में गड़ा हिस्सा

खूह जाना उ गाय/भैंस का गाभिन न होना

खेलाड़ी उ बहकी हुई, स्वच्छन्द औरत

खेवा-खरचा उ भत्ता (टी.ए./डी.ए.)

खेहल - नाव चलाना

खैकार - बर्बाद

खोंचा - बालों का जूड़ा, बेर्ही का ढक्कन

खोंटल - चुनना (धोती खोंटल, साग खोंटल)

खोंड़ - मूल में से कुछ निकाल लिया जाना, चार गो चवन्नी रहे दूगो निकाल के खोंड कऽ देहले

खोइंछा - विवाहिता की विदाई के समय फांड़ (आँचल) में रखा जाने वाला अन्न-द्रव्य

खोपचारा - गढ़कर बनाया गया नोकीला बांस का बत्ता

खोबसन - दोषारोपण

गंडुआ - घड़ा (गंडुआ जल पानी)

गजारा - कजरौटा

गतर उ अंश

गतान - बोझ बांधने के लिए प्रयुक्त मूंज, पटेर्ह, पुआल आदि का ऐंठा हुआ रस्सा

गदबेरा - संध्या समय, गोधूलि वेला

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

गनल-गूथल उ सीमित

गन्हवा - एक प्रकार का बसैना कीड़ा

गन्हाना - गन्धाना, बसवाना

गबड़ा - गड़हा

गरदाव (गर्दवानी) - पशु के गर्दन में लगाई गई रस्सी

गरम भइल - गाय/भैंस की गर्भिणी होने की बेचैनी

गरान - बुरा लगना

गर्हुअन -गंभीर अन्न, जो खेत देर से तैयार हो

गर्हुआइल - गंभीर होना, कटा हुआ धान, गेहूँ आदि का फसल वर्षा से भींगने पर भारी होना

गलथेथर - अपनी बात को जबर्दस्ती बनवाने की चेष्टा करने वाला, बकधूनी

गल्ला - अन्न की ढेरी, पैसे का बक्सा, बटुआ

गांठ - ग्रंथि

गांती - जाड़ें में बच्चों को ओढ़ाया जाने वाला चादर, गमछा, धोती, जिसका छोर गले में लपेटकर हल्का बांध दिया जाता है।

गाछल - उधार वापस न करना

गाजना - प्रसन्न होना

गारा - नदी धारा की गर्जना

गिजिर-बिजिर उ घाल-मेल, गंदगीपूर्ण कार्य

गिदगिदावल - चिढ़ाना, गुदगुदी पैदा करना

गिहथिन - गृहस्थ की स्त्री, गृहिणी, कुशल

गुड़दम - कड़ाह में गुड़ को घोंटने का वह डंडा, जिसके एक सिरे पर एक बेलनाकार छोटी मुअड़ी लगी रहती है।

गुमस्ता - इलाके के रईस, संरक्षक, उदार व्यक्ति

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

गुरदेल - अंग्रेजी के इ आकार का एक छोटा उपकरण, जिससे किसी चीज का शिकार किया जाता है

गुलउर - मीठा पकाने वाला बड़ा चूल्हा

गूज - नोकीला

गेंड़ - ईंख का हरा पत्ता

गेल्हा - ईंख की जड़ से निकलना ताजा बिचड़ा

गोंतल - पशु-चारे को पानी में भिंगोना, कपड़ा पानी में डालना

गोंयड़ा - गोहने, गाँव-घर के पास, नजदीक

गोजी - लाठी

गोड़िया पटौनी - खेत में पानी ले जाकर हत्था से पानी छींटना

गोतिन - देआदिन

गोनतारी - पैर की ओर

गोबराना - गोबर से लीपना

गोभिना - गाय/भैंस का गर्भिणी होना

गोरस-पानी उ दूध-दही

गोसेंया - गोसाईं, गो सेवा करने वाला, अभिभावक

गोहिया - चटाई

घइंचट (घचाक, घचान्हर) - आँख रहते हुए बिना देखे काम करे, चले

घटनास (घटुआर) - बुलाने पर सुने नहीं, महटिआवे, सुनता रहे किन्तु न सुनने का बहाना करे

घठिअन्न - घटिया (मोटा) अन्न

घमचा - घर (नचनियों की भाषा में)

घरजनवा - घर से एक व्यक्ति (भोज पर निमंत्रण)

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

घरजमाई उ ससुरारी, दामाद

घरामी - फूस का घर छाने वाले कारीगर

घलुआ - मुफ्त माल (तोर नउजी बिकाव, मोर घलुआ दे)

घाव लगना - चोट लगना

घुंचली - मिट्टी का छोटा पात्र

घुंडी - पशु के गर्दन की रस्सी का गाँठ

घुघुआइल - फूलना, सूजना

घुमरी - चक्कर (सिर में)

घुरघुरी - एक प्रकार का घाव, एक प्रकार का कीड़ा, जिसे चिड़िया खाती है

घूंचा - वह पात्र, जिसमें दूध दुहा जाता है।

घोड़घासिन उ हरहा गाय, बैल या भैंस के स्वभाव की औरत, जो नियंत्रण में रहे, स्वच्छन्द

घोड़हई उ दलाली

घोर - अत्यधिक (घोर विपत्ति)

चँवर - खाली जगह, बंजर, विरान भूमि

चंडाल उ जिसको दया-माया न हो

चउके रांड उ विवाह के समय सिन्दूरदान के पहले, अथवा होते समय, वर की मृत्यु होने पर कन्या चउकेरांड़ हो जाती है।

चउतार - मुलायम ऊनी कम्बल

चउपट - चौपट करने वाला, काम बिगाड़ने वाला, मंद-बुद्धि, बेवकूफ

चटिया - विद्यार्थी, चटी पर बैठने वाला

चढ़ावल - अर्पित करना, पोटकर उमंग पैदा करना

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

चलता फिरता, चालू पूर्जा उ होशियार

चहुआ -पैर (गाय, भैंस आदि का संख्यावायी शब्द)

चाँवट - धान पिटने के बाद बचा पुआल का डंटल

चाकर - चौड़ा, नौकर

चाढ़ा-उतरी उ एक ही चीज के लिए कई व्यक्ति दौड़ रहे हों, उस स्थिति को चाढ़ा-उतरी कहा जाता है।

चास - खेत की एक बार जुताई

चिंउटी - चिकोटी

चिंहुकल - चौंकना

चिकड़ा - कसाई, खंसी-बकरी काटने वाला

चिखना - ताड़ी शराब के साथ खाया जाने वाला नमकीन पदार्थ, माँस-मछली

चिचिहरी - रेखा

चिटकी - खेत जोतकर चिटकी से धान की बुआई

चिन्हारी - जान-पहचान

चिरकल - कपड़े में दरक्का, पेट ढीला होने पर वस्त्र में थोड़े से मल का गिरना

चिलनवा - (परस्मैपद में) दूसरा व्यक्ति

चीरा - दातुन को चीर कर किया गया फांक

चुंगला - झगड़ा लगाने वाला

चुअल - गाय/भैंस की गर्भिणी होने की बेचैना

चुचुर-माचुर उ थोर-थार

चुल्हानी - चुल्हे के पास

चुहाड़ - छीन-झपट कर ले भागने की नीयत रखने वाला

चेंटे- पोंटे उ सपरिवार

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

चेफुआ - रस निचोड़ लिये जाने के बाद बचे गन्ने का खूझा

चोकरल - सारा पंइसा चोकरा लहले (ले लेना)

चोटही उ बात, वस्तु या कार्य को चुराने वाली, किसी के दिल को चोट पहुँचाने वाली।

चोप - कच्चा आम तोड़ने पर निकलने वाला अम्लीय रस

चौरस - बराबर जमीन

छँहतरी उ कई किस्म की बात करने वाली

छूँछ - तुच्छ, बिना साग-सब्जी या दाल का भोजन

छनमत्तू - क्षीणमति, अर्धपागल

छपल - बाढ़ के पानी चारूओर छपले बा

छरहर - हल्का, सीधा, चुस्त-दुरूस्त, सोटा हुआ लम्बा (छरहर पेट, शरीर, पैर)

छव-पाँच उ बेइमानी का शक-संदेह

छवर - खुडुर, पतला रास्ता

छाड़न - नदी द्वारा काट कर छोड़ी गई भूमि

छाड़ी - पहन कर उतारा गया वस्त्र

छान - बांधने की रस्सी, छप्पर

छानल - भांग छानना, गोरू-बकरी को बान्हना

छाप-छूप उ बचाव

छापल - बचाव कइल

छिगार - विरल, जब फसल पर्याप्त दूरी पर न हो तो उसे छिगार कहते हैं।

छिनार उ परपुरूष के साथ सोने वाली

छींटा - बीज को छीटकर बुआई

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

छीप - बंसी का छीप, डोरी

छुछेरा - काम अस्त-व्यस्त करने वाला

छुवल-छावल उ दान पुन्न

छेगराइल - बकरी, पाठी का गर्भ धारण करना

छेख्आ - छेलुआ, बधिया (बछड़ा या खसी, जिसका अंड निकाल लिया गया हो)

छेव - (संख्यावाची) दही के छेव, कुदाल के छेव

छैलचिकनिया - अच्छा खाने-पीने वाला, साफ सुथरा रहने वाला किन्तु काम न करने वाला

छोपल - छीपल, काटना, ईंख के माथ छीप लहल बा, पासी तरकुल पर चढ़ के तारी छोपलस

जइधी - देवर या भसुर की लड़की

जगत - कुअें का उपरी सतह

जगदीपा उ जगत के दीप, अर्थात अपनी करनी या रहन को उजागर करने वाली, बदमाश औरत

जरतमुअना - उन्नति देखकर जलने वाला

जरनइल - क्रोधी, जलने वाला

जरना - जलावन

जरल-मरल उ थका-मादा (धूप से)

जरे - ओकरा जरे एगो बेटा बा (उससे जन्मा हुआ) बेयारगाना - हवादार जगह, बयार मिलने वाला जगह

जवार-पथार उ परिजन-पुरजन

जहँड़ल - हठी (जंहड़ल जीव)

जांगर - शारीरिक शक्ति (जांगर चलानाउ परिश्रम करना)

जांगराटूटी उ काम न करने वाली

जाउत - देवर या भसुर का लड़का

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

जाब - बैल के थुथुन का ढक्कन, जो उसे फसल चरने से रोकता है

जामल - दही जामल, देह से जन्मा (फलां के जामल लइका)

जाल-पथार उ परिवार

जिआन - नुकसान

जुड़जुड़ी - जाड़ा (हाड़ केंपाने वाला)

जुड़ाइल - आबाद (जुड़ाइल रहऽ बचवा)

जुड़ावल - तृप्त करना

जूड़ - ठंढा (तनी जूड़ हो जाये द त जइहऽ, अभी बहुत घाम बा)

जेंवावल - भोजन परोसना या भोजन करना

जोगटन - उपाय, व्यवस्था

जोगाड़ - इन्तजाम, उपाय, युक्ति

जोत - हल में बैल को जोतना (जोड़ना)

जोता - हरनधी, गाड़ी के जुआठ में बैल जोतते समय गले में लगायी जाने वाली रस्सी।

जोबन - यौवन, भरा स्तन

जोबना - पानी में डुबाना (जैसे पटसन)

जोर-चेत उ किसी तरह जुटाकर

जोरन - दूध को दही बनाने के लिए डाला जाने वाला दही का अंश

जोरू- जोड़ी, अर्द्धांगिनी, पत्नी

झनक-पटक उ रूष्टं-तुष्टं

झपासिन उ लपक कर जाने और किसी का कुछ झपक (झटक) कर ले भागने वाली

झाड़ा - पैखाना, टट्टी

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

झार - गुच्छा, झाड़ी, छोटा पौधा

झिक्का-झोरी उ छीन-झपट

झींक - चक्की में गेहूँ पिसते समय जो थोड़ा-थोड़ा गेहूँ डाला जाता है, उसे संख्यावाची झींक कहते है।

झोंझरी उ छोटा थन

झोझरी काढल (अंड़ुआर काढ़ल, पुठ्टी छोड़ल) उ गाय/भैंस का स्तन छोड़ना

टूंगल - तोड़ना (बाल, चाय पत्ता इत्यादि)

टकहा - टिकुला

टटका - ताजा, गर्म

टहलुआ - ताबेदार, रामचेलवा, सेवक

टांगना - लटकाना, जांता टूंगना

टाअ-बेंड उ आड़-पेंच (इज्जत बचाने के लिए)

टाल - ढेर, उँढ़ी

टाही - चुपचाप किसी चीज पर ध्यान लगाना

टिभुक - खेत का ऊँचा स्थान, टीला

टिमकी - एक प्रकार का छोटा वाद्य यन्त्र जिसे शादी में मटकोर के समय गाँव की चमइन बजाती है; कुपोषित बच्चे का निकला हुआ पेट

टिहुँकल - रूकना

टीकल - गाय/भैंस का गर्भ ठहरना

टीका - चिन्ह, रेख (टीका फानल)

टीपन - जन्मपत्री

टील्हा (टिभुक) उ तिलवा, गर्दन के ऊपर का उच्च भाग।

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

टुनुक - जल्दी फुटने वाला, फुटने की आवाज

टेकुआ - (भूखे टेकुआ) उदास

टेल्हा - लड़का

ठक-मुरची उ किंकर्तव्य विमूढता

ठकुर-सोहाती उ

ठुमकार - चुस्त, छोटा (ठुमकार बैल)

ठूर्ही - मकई भूनने पर कुछ दाने नहीं फूटते, उन्हें ठूर्ही कहा जाता है

ठेकुआ - गुड़ एवं आटे को सानकर तेल-घी में पकाया गया मीठा खाद्य पदार्थ

ठेला - काम करने से हाथ में पड़ा कठोर फफोला

ठोकर - नदी की दो धाराओं का मुहाना

डगरा - बांस की पतली कमाची से बना छितनार एवं गोल बड़ा वर्तन

डरहेर - मोटा, थोड़ी दूरी पर जुताई

डरेर - दो खेतों को अलग करने वाली लकीर (मेढ़)

डहँकल - फूट-फूट कर रोना

डाँगर - मृत पशु

डाँड़ - दण्ड, कमर

डाँड़ा - धागे से बनी कमर की करधनी

डेगार - दूर-दूर डग भरते तेजी से चलना

डेढ़िया - बटाई पर खेत देना

डेब - कनडेर

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

डोम-धाउज उ अभावजनित असंतोष और पाने के लिए शोर

ढबरल - इकट्ठा होना (पानी)

ढबार - ज्यादे दूर तक पानी

ढेलाह - जिस खेत में ढेला अधिक को

ढेसराइल - अधपक्कू

तंग - घोड़े का जीन, परेशान, संकीर्ण

तकर - रसा, सब्जी वगैरह का

तर - नीचे, पानी से तर

तरई - चटाई

तरका - नावल्दी धन

तरछी - पौंडे में रखी जाने वाली रस्सी जिसके सहारे चकरी को बाहर खींचा जाता है।

तरबेलनी उ इधर की बात उधर करने वाली।

तरी - नमी

तरूजत - इन्तजाम

तवाई - गर्मी (क्रिया-विशेषण)

ताग-पाट उ साधारण, कमजोर

तातल - गर्म

ताती सिहरी उ बुखार, जाड़

ताबर-तोर उ जल्दी-जल्दी

तारन - फूस के घर के छान्ह की लम्बाई/ऊँचाई

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

तारा-ऊपरी उ एक के ऊपर दूसरा

ताव - शान, गर्मी के दिन, गुड़ पकाने वाला कराह का संख्यावाची शब्द, एक ताव, दू ताव गुड़

तावल - गर्म करना

तिकड़म - चालबाजी, गुणागणित, किसी चीज को पाने के उद्देश्य से

तिरछोल - तिर्यक छल करने वाला, कुटिल चाल चलने वाला

तीत-मीठ उ कहा-सुनी

तीन-तेरह उ बेकार, व्यर्थ

तीन-पाँच उ किसी तरह

तीनतसिया - चूंगला

तेंतर बेटी - तीन भाइयों के बाद की बहन (माना जाता है - 'तेंतर बेटी राज रजावे)

तेखरा - खेत की तीन बार जुताई

तोई - रजाई

तोप-झांप उ बिगड़े कार्य को छिपाने की कोशिश

थउसल - कार्य करने की शक्ति न रह जाना

थहलिआवल - हैरान करना

थान छेड़ल - गाय/भैंस के ब्याने पर

थेंथर - बेहाया, जिसपर कुछ असर न पड़े

दँवरी - दौनी

दछिना (दक्षिणा) - पुरोहित को दिया जाने वाला पारिश्रमिक

दन-फिकिर उ निश्चिंत

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

दरक्का - कपड़े में खोंच

दरिदर - दरिद्र मनोवृत्ति का, असभ्य

दरेग - अमरख, मलाल

दहिजरु - देह जोगाने वाला, आलसी, अकर्मण्य

दहेंड़ी - दही की नदिया (मिट्टी का पात्र, जिसमें दही जमाया जाता है)

दाँते-नोंहे उ किसी तरह, चुनकर, बटोरकर

दाजा-दीजी उ अन्य के भरोसे काम में लापरवाही

दाह - मोह-माया, ममता

दिने-दिन उ दिन में ही

दिसाईं - पाके, वजह से (ओकरा दिसाईं)

दीअर-ढाब उ भौगोलिक दृष्टि से पिछड़ा

दीयर-डांगर उ पिछड़ा इलाका

दूध-कटु उ माँ के दूध से बंचित

दूध-मुँहा उ बच्चा, शिशु

दूमुँहा - दो तरह की बात करने वाला

दूसरे को फेर दे, पलट दे, बात उलट दे (पशु व्यवसाय में अक्सर प्रयोग)

देखनउक उ दर्शनीय

देहा-देही उ अपना-अपनी के

दोंज - एक बार काट लिये गये धान की जड़ से जब स्वतः पुनः नया पौधा निकल आवे, अथवा गन्ने की जड़ से जो बीचड़ा निकले उसे दोंज कहते हैं।

दोखरल - दो खंडा करना

दोदन - झुठलाना

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

दोब - नदी की दो धाराओं के बीच का स्थान

दोसराइत - दूसरे का

धंधोर - आग की ऊँची लपट

धनहरा - मकई के पौधे का फूल

धमिनपोंछ - धामिन साँप पोछ से मारती है, जो काफी असरदार होता है इ सी प्रकार वह व्यक्ति जो धोखे में दंगा दे, धमिनपोंछ कहलाता है।

धर-पराइल - शीघ्रता से, बेचैनी के साथ

धराऊँ- रखा हुआ, जिसका बराबर उपयोग न हो

धरियावल - हल से बीज को मिट्टी में मिलाना

धार - पेन्हाव करने पर

धीमड़ - मछुआर

धेन - ताजी ब्यायी हुई

नकास - बाजार

नट्टा - बिसुकी हुई

नबाब के नाती - आरामतलबी, काम न करने वाला

नवरऽसा - ससुराल का धन

नवहरिया - छोट जात

नसकट - संकीर्ण/छोटा (खटिया)

नाथ - भैंस/बैल के नाक में फँसाकर गर्दन में पहनाई जाने वाली रस्सी

नालायक - बेवफाई करने वाला, किसी काम का नहीं

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

निखुराह - धीरे-धीरे, किन्तु कम खाने वाला

निगार - बदला

निगोरी - निर्गुन-री (गुणहीन) औरत।

निठाह - कुजगहा, बिना सोचे समझे शरीर के किसी भी अंग पर चोट करने पर कहा जाता है 'निठाहे मरले बा'

निदेनिया - न देने वाला

निनार - अलग, दूर

निबहल - निर्वाह

निरगुत - ठीक-ठीक

निरदन - निर्दयी

निरासी - निराश करने वाली, अपने आचरण से लोगों को क्षुब्ध करने वाली।

निसहर - निःसहाय

निस्तार - निकास

नेत - नीयत, विचार

नेन्हुआ - बहुत कमजोर

नेवान - चखना, उपभोग

नेवारल - रोकना, बन्द करना, क्षमा करना

नेवारी - पुआल, पुल्ला

नेहाली - रजाई

पँवधोखार - महाकायर, मउगा

पइंचल - सूप द्वारा मिश्रित छोटे बड़े अनाज को अलग-अलग करना

पइंचा - उधार

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

पइसल - प्रवेश करना

पकठाइल - अधपक्का, सूखड़ा

पकहर - शुद्ध

पखेव - ब्यायी हुई गाय-भैंस को दूध बढ़ाने के लिए दिया जाने वाला गूड़, महुआ, चना, कोराई इत्यादि

पगड़ोर - लंबी रस्सी जिसमें गाय को बांध दिया जाता है

पगरलेसना - पगर-लेसने वाला, पगर (पगड़ी), अर्थात् इज्जत को मिटाने वाला

पगहा - रस्सी (मवेशी बांधने वाला)

पगहिया - राहगीर, साथ में पैदल जाने वाला

पचरा - भूत-प्रेत ब्याधि दूर करने के लिए ओझा द्वारा गाया जाने वाला गीत

पछावट - गाय/भैंस दुहते समय पीछले पैर को बाँधने वाली रस्सी

पझावल - गोइंठे के अहरा पर हल्के आंच में दूध को औंटना

पटना - हिसाब बैठना, तय-तपड़ा होना

पटावल - हाथ में करने की कोशिश, अनुकूल करना, खेत में पानी छेड़ना

पतहरी - गन्ना छिलने पर निकलने वाला पत्ता

पतिआइल - प्रतीत कारना, विश्वास करना

पथार - धूप में फैलाकर सुखाया जाने वाला अनाज

पदना - पादने वाला, बकवास करने वाला

पदनी - ज्यादे बोलने, चरभर करने वाली

पनपिआव - खेत में हल या कुदाल चलाने वाले मजदूरों का दोपहर का नास्ता

पनरोह - पानी बहने की नाली

पनिगर - तेज

पनिहर - पानी के दिन

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

परई - काठ की तस्तरी

परउस - धुँआ, एक प्रकार का खर (डाभी)

परचतेल - दूसरे की कमीनी पर जीना

परतर - बरोबरी

परतल्हिया - बेकार, निकम्मा (आदमी या पशु)

परतोख - प्रत्यक्ष, मुँह-पुरौवल

परथाव - दृष्टान्त

परमीन - परिजन (भेजन के लिए आमंत्रित)

परलाया - जो पड़ा रहे, आलसी, सुस्त

पराछित - पर-इच्छित के लिए विपत्तिकारक, अशुभ लक्षण का व्यक्ति, जिसके संगत-सम्पर्क से काम बिगड़ जाय

पराती - सुबह का मंगल गीत (विवाह में स्त्रियों द्वारा गाया जाने वाला)

पराते - अल सुबह

पराये - दूसरे, दूर (भाग पराये, दूर चले गये)

परेह - सब्जी या मीट का रसा

पलमरू- बहुत कमजोर

पलिहर - खेत को जोत कर कुछ दिन के लिए छोड़ देना

पल्लो कइल - बाजार में अन्न लेकर पैसा देने का व्यवसाय

पवनिया - पौनिया (पन-भरा), सेवक

पवांरा - पवंरियों का गीत (पंवारा नाधल, कोई बात शुरूकर दिया तो रूकने का नाम नहीं, लम्बा खींचना)

पसारल - फैलाया हुआ, प्रसारित

पहल - मिट्टी पलटना, बराबर करना, कार्य को आगे बढ़ाना

पाँगल - छाँटना-काटना

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

पांजा - अंकवार, दोनों भुजाओं में भरने लायक फसल का बोझ

पाठाकाछा - पहलवान का लड़का

पानी-पनिहर - बाढ़, वर्षा

पायेंत - परिधि, अस्सी कोस के पायेंत, यात्रा के दिन दिशा शूल होने पर एक दिन पहले यात्रा में ले जाने वाला कोई सामान गाँव के बाहर राह में किसी के घर रखना पायेंत कहलाता है।

पारावार - सीमा, हिसाब (अनुमान से बाहर)

पाल खाइल - गाय/भैंस का गर्भाधान

पाह लागल - रहस्य का भंडाफोड़, पर्दाफास

पाही - डेरा

पिजावल - सान चढ़ाना

पिटउर - पिटौर, पिटे जाने लायक, मार खाने लायक कार्य करने वाला

पिनकाह - खिसिआह, क्रोधी

पिसान - पिसा हुआ अन्न, आटा, मैदा, बेसन आदि

पीठिया ठोक - सहायक

पीहर - पिता का घर, नैहर

पुंज - पुञ्ज, समूह, पुआल का पूंज, ढेर

पुनिया - बहनी

पुरधाइन - प्रधान, मुखिया प्रतिनिधि (औरत)

पुरहिया - जल्दी बिआने अथवा बच्चा देने वाली

पुरुवा-साख - मुँह पुरौवल

पूरल - पूरा करना, जोड़ना

पेंग मारल - पेलना, कमर का बल लगाना

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

पेठावल - भेजल

पेवन - चिप्पी (कपड़े में पेवन)

पेहान - ढक्कन

पैना - छोटी छड़ी

पैर - दौनी के लिए मेंह के पास फसल को छींट कर रखा जाना

पोटल - प्रशंसा करके अपनी ओर करना, भरमाना

पोवा - गन्ना बुआई के बाद खेत में निकला पहला कोमल पत्ता

पोसाइल - लाभ, फायदा (हमारा एहिमे का पोसाई भाव थोड़ा कम करऽ)

पोसाव - पालतू पशु किसी को पोसने के लिए देना

पौंडा - वह गोलाकार छोटा गड्डा जिसमें गुड़ डालकर जमाया जाता है और चकरी बनाया जाता है।

फकरा - प्रशंसात्मक शब्द, गीत, पाठ

फराकित - शौच से मुक्त होना, क़्द्वड्ढद्मण होना

फरिछ - क्रमशः अंधेरा छटने और प्रकाश के आगमन की वेला

फरीक - हिस्सेदार

फरूई - लम्बे डंडे के एक सिर पर लगी आयताकार पटरी, इससे गोबर हटाने, या अन्न फैलाने/बिटोरने का काम लिया जाता हैं।

फरूही - चावल, चीना का भूजा

फरेन - जामुन (फल) का एक प्रकार, जो आकार में बड़ा-बड़ा एवं उत्तम होता है।

फांड़ी/सोता/बह - नदी की मुख्य धारा से निकली हुई एक छोटी धारा।

फुटहा - भूजा, दाना

फुहरी - बोल-चाल, रहन-सहन में असभ्य औरत

Content given by BHU, Varanasi

Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

फेट/चकोह - नदी में ऐसा स्थान जहाँ पानी की तेज धारा गोल चक्कर लगाती है

फेर - घुमाव (समीप के स्थान पर जाने का लम्बा घुमावदार मार्ग)

फेरहा - इधर का माल उधर करने वाला, दलाल, फेरने वाला, तय-तपड़ा करने वाला, चालाक जो

फोंफड़ - मोटा छेद वाला (बांस, इत्यादि)

बंजर - विरान, अनुपयोगी जमीन

बंसड़ा छोड़ल - गाय/भैंस के ब्याने के समय की स्थिति

बकधून - बकवास

बकलेल - कल से, युक्ति पूर्वक काम न करने वाला, मंदबुद्धि

बकुचा - पीठ पर लाया गया चोरी का सामान

बकेन - अधिक दिनों तक दूध देने पर

बकेने गोड़े - धूल, मिट्टी, गोबर सहित, गंदा पैर

बकैती - बोली

बखोरल - नोचल

बगलबांह - अंगरक्षक

बग्धा - उद्बेग, दर्द

बघुआइल - बाघ जैसा आक्रामक होना

बजका - रिकोंच, भांजा, झूरी

बजड़ - बज्र, कड़ा, कठोर

बजर बहिर - बिलकुल बहरा

बड़का - बड़े लोग, प्रतिष्ठित, वर्ण व्यवस्था में उपरी वर्ण वाले, बड़ा (आकार में)

बढ़नी - कूंची, झाड़ू

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

बतिया - अजू (नेनुआ अभी बतिया बा मत तूड़ऽ)

बथान - खेत में पहरेदारी के लिए बना छोटा घर

बद के - जानबूझ कर, पूरी तैयारी के साथ

बनच्चर - वन-चर, जंगली असभ्य

बनतइल - बने काम को बिगाड़ लेने वाला

बनल - बिगड़ा हुआ, बिगड़ता

बनिहारी - वणिक की तरह हिसाब किया हुआ पारिश्रमिक

बपूतनी - जिसको पुत्र न हो।

बभनगेठरी - भोज के पश्चात ब्राह्मण को घर के लिए दिया जाने वाला भोजन (व्यंजना में दरिद्रता की निशानी)

बमरा - छड़ी से मारने पर पड़ा निशान

बरजल - वर्जित करना

बरमहल - अक्सर

बरमुत्ता - बैल के चलते समय पेसाब से बनी रेखा

बरल - जलना, प्रकाशित होना, रस्सी बरना

बरही - मोटा रस्सी

बरात - वर-यात्रा में जाने वाला समूह

बराहिल - बड़ा आदमी, प्रतिष्ठित

बरोदर - बिरादर, जात-भाई

बहिला - बांझ, बन्ध्या

बहुबंस - बंस में अधिक, अर्थात् कुल की मर्यादा के विपरीत आचरण करने वाला

बहेंगवा - विकलांग (सबगुन के आगर धिया नाक के बहेंगवा)

बांड - बण्डा, अविवाहित, छुट्टा, स्वतंत्र

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

बांसा - नाक का ऊपरी हिस्सा, दो आंख के बीच का स्थान

बाइली - बाहरी (व्यक्ति), अन्यत्र (जगह)

बाई - बिच्छी (बाई मरले बा ?)

बाणी - छोट (वाणी गौरैया)

बाफ - वाष्प (मुँह का, हाँड़ी का)

बायेल - ढूका लगना, ताक में रहना

बालादम - अकेले, अपने बल पर

बावग - गन्ने की पहली बुआई

बाहिक - फालतू, अधिक, अतिरिक्त

बिआइल - बिआना

बिखपदना - कटु वचन बोलने वाला

बिगड़ता - बिना समझे-बुझे काम करने वाला

बिगड़ना - रंज होना, खराब होना

बिपतही - विपत्ति लाने वाली

बिलउकी - विलोकना, देखना

बिलटल - बर्बाद होना

बिलाइल - जो बर्बाद करने का हाल जाने, उन्नति का नहीं

बिसमाधम - बिना खुशी के

बिसुकल - दूध देना बन्द कर देने पर

बिस्टी - भगही, मकर में लपेटा वस्त्र

बिहने - दूसरे दिन, कल

बिहान - बिआन, जन्म देना

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

बिहुनी - विघ्न खड़ा करने वाली, संतानहीन

बीरा - बिचड़ा

बुझावल - बोध कराना, समझाना, आग बुताना

बूता - काबू, शक्ति

बेंवत - औकात

बेकत - पतोह, घर की स्त्री, पत्नी

बेठुआ - चोट लगने वाली बात

बेतीर - पूरा गुस्सा होकर

बेना - पंखा

बेपछ - हिकायत

बेफेरल - जो फेरा नही गया हो, अर्थात् जिसको लोक-व्यवहार का ज्ञान न हो

बेरहनी - कुसंस्कारी औरत

बेरा - समय

बेलाग - निःसंकोच

बेलौग - बेइज्जत

बेवकूफ - बे-वक्फ, बे-अक्ल, मूर्ख

बेवरा - उपाय, व्योरा, विवरण

बेहुरमत - बेइज्जत (''मैया जसोदा हो। कइलन बेहुरमत सखिया के कान्हा तोर''-बिदेशिया)

बैसाखनन्दन - गदहा

बोकला - मकई के बाल को ढंकने वाला पत्ता

बोतल के टुकड़ा - बेवकूफ

बोतू - पति

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

बोरल - भींगोना, डुबाना (कुलबोरन)

बौंडेरा - चक्रवाती तूफान Cyclone

भंड़ुआ - बदचलन

भूंड़ - छेद, स्रोत (पइसा/पानी का भूंड़)

भूंड़कइल - छोटा करना

भइल-गइल - विवाद को समाप्त करना

भक - अचानक (उदास, चकित), प्रकाश

भगठा - अश्लील हरकत करने वाला

भगठी - चाल-स्वभाव में गंदी

भगल - बहाना

भगल परखा - अभागा

भगिनमान - भाग्यवान

भटकोइयाँ - एक प्रकार का जंगली पौधा

भठावल - तोपना, गड्ढे को मिट्टी से भरना

भठिया हेंगावल - जोत के उल्टा (जैसे पूरब-पश्चिम जुताई हुई तो उत्तर दक्षिण हेंगौनी)

भठियारा - भट्ठी पर जाने वाला, शराबी

भतरगाड़ी - जो भर्तार (पति) का इज्जत न करे

भयकरा - भाईचारा

भरका - नदी धारा में पानी का नीचे ऊपर तेज चक्रमण

भरखल - भरपूर

भरसक - शक्ति भर

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

भसाड़ - खेत में फसल से अधिक घास-फूस उपज जाय तो उसे भसाड़ कहते हैं।

भसेड़ - खर-पतवार की अधिकता (धान, गेहूँ आदि के फसलों में ज्यादा खर पतवार के उग जाने पर उसे भसेड़ कहा जाता है)

भाठा - भठेह, बलसुनरी मिट्टी

भाव - मूल्य, अंग-विक्षेप, मनोदशा

भिनुसार - प्रभात

भीत - दीवाल

भीतर के माहुर - ईर्ष्यालु

भीतर-घुन्ना - परोक्ष ईर्यालु

भीरी - पास, नजदीक

भीस - नदी के बक्रीय बहाव से किनारे की ओर जमा मिट्टी-बालू

भुकुरना - डाह/ईर्ष्या करने वाला, जरतमुअना

भुतखापर - अपना ही नुकसान करने वाला

भुभुन - मुँह एवं नाक के बीच का स्थान

भुभुर - शीघ्र बुझा हुआ किन्तु गर्म राख

भोकास - फफक कर (रोना)

भोम्ह - मोटा छिद्र

भोरहरिया - भोर, भोर में चलने वाला

मउआर - विनाशकाल

मकुना - हाथी का बच्चा (बिना दाँत वाला)

मकौड़ा - माकने, दौडने की परेशानी

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

मजबूत खेत - उपजाऊ खेत, जिसमें गर्मी में भी आर्द्रता बनी रहे

मजूरी - मंजूर किया हुआ, तय की हुई पारिश्रमिक राशि

मटकल - कमर हिलाकर चलना

मटका - मिट्टी का घड़ा

मनियार - टिकुली सिंदूर आदि का व्यापारी

मरजाद - विवाह में बारात का एक-दो दिन लड़की के घर रूकना मरजाद कहलाता है

मरदमार-कामुक औरत (मर्द पर भारी पड़ने वाली)

मर्ही - केंजूस, कृपण, सोम्ह, मीसू

मलछिनिया - म्लेच्छ स्वभाव वाली औरत

महलाद - बढ़िया मकान

महीना - हर महीने निश्चित समय पर दिया जाने वाला वेतन

महोर - बैल का पय (माथे पर लाल टीका)

माझिल - मध्य भ्राता, बहिन

मातवर - धनीमानी

मानर - एक प्रकार का ढोल (शादी में मटकोर के लिए घर से निकलते समय दरवाजे पर ढोल की पुजाई को 'मानर पूजना' कहा जाता है)

माहुर - विष

मिरकिटाह - दुबला-पतला

मिरिआस - बपौती जमीन-जादाद

मीतराम - एक नाम के व्यक्ति

मीरगदहिया - बहुत बदमाश

मीरा - प्रथम लड़का

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

मुँहजोर - बढ़-चढ़कर बात करने वाला

मुँहफट्ट - स्पष्ट किन्तु कटु वचन बोलने वाला

मुँहबउ - बात-बात पर रोते रहने वाला

मुँहलग्गा - हरब

मुठान - कद (लम्बाई के सन्दर्भ में)

मुरघुइंस - चुप्पा, मूड़ी नीचे करके चुपचाप सारी बात सुनने और जवाब न देने वाला, भीतर ही प्रतिशोध की भावना रखने वाला।

मुसकइल - चूहे द्वारा बनाया हुआ बिल

मुसमात - विधवा

मुसहरा - मेहनताना

मुहरी - भैंस/बैल के मुख में फँसाकर गर्दन में लपेटी गई रस्सी

मुहान - नदी का सिरा, जहाँ से दो धाराएँ निकलती हैं

मूसना - क्षति करना

मेंह - मेठ, सरदार, मुखिया, बल्ली (जिसमें कई बैलों को नाध कर गेहूँ की दौनी कराई जाती है)

मेढ़ (मेढ़ी) - छोटा छोटा बांध

मेधा मेटावल - औपचारिकता निभाना

मेह - दौनी का खम्हा

मोचा - मकई का बाल, जिसमें अभी दाना न निकला हो

मोरी - नाली

मोलना - नाजुक, कोमल बच्चा

रउदा - रौद्र - ती धूप

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

रकटल - जिसकी चाह पूरी न हो, लालायित

रज-गज - उछाह

रमावल - धुईं रमावल (साधुओं द्वारा)

राई-छाई - नुकसान

राम - खंती

रिजाला - दोगला

रूखानी - रौनक

रेजा - गिलवा मिट्टी देने वाला मजदूर

लंका के बढ़नी - झगड़ा लगाने वाली

लंगड़ी - गुलउर का पिछला हिस्सा जिससे धुंआ निकलता है।

लंगा (नंगा) - जिसको अपनी इज्जत की परवाह न हो

लंपट - लुटेरा, बदमाश

लउर - लोहबंद लाठी

लउरा - छोटका (लउरा देवर)

लखेरा - लखेदा हुआ

लगले - साथ ही

लगहर - दूध-दही देने वाली गाय-भैंस

लगार - पुरकस, कसके (जुताई, पिटाई)

लठल - मिसल (सुरती)

लठैत - लाठी के हाथ बात करने वाला

लड़ा जाना - गाय/भैंस का गर्भपात होना

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

लड़ाकिन - झगड़ालू औरत

लतखोर - लात से बात सुनने वाला

लतरी - बायाँ

लत्ता - फटा-चिथड़ा कपड़ा

लथरिआइल - गाय/भैंस के ब्याने से पूर्व की स्थिति

लपसी - जौ के सत्तू घोरने पर

लफल - हाथ फैलाकर पकड़ने की कोशिश

लमहर - बड़ा, प्रतिष्ठित

लमेरा - अपने आप उगने वाला पौधा, घास

लरबर - ढील-ढाल (शरीर)

ललगंड़िया - बन्दर

लल्हक - लालच

लहुरा - छोटा

लांघल - साँढ़, भैंसा जब मादा पर गर्भाधान के लिए चढ़ता है, तब उसे लांघना कहा जाता है।

लाग - सहारा (लाग धरावल)

लागचार - स्रोत, साधन (दही-दूध के कवनो लागचार नइखे)

लावट - अगुआर

लिबरी - सत्तू का गाढ़ा घोल

लुरगर - ढंग से

लुलुआवल - ललचाना

लुलुहा - हाथ का पहुँचा, कलाई के ऊपर का भाग

लुसुर-फुसुर - लालच (कुछ खाने या पाने के लिए)

Content given by BHU, Varanasi

Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

लूंडा - वर्तन धोने या पशु को नहलाते समय शरीर माजने के लिए बनाया गया पुआल या कपड़े का बंडल)

लूगा - कोरदार साड़ी

लेंढा - कठहल की मुअड़ी

लेखाँ - जैसा

लेरु- गाय का बच्चा

लेवरल - घर आंगन, देहरी आदि गोबर अथवा मिट्टी से लीपना

लेहँड़ (लहेंड़) - समूह, भीड़ (परिवार में बच्चों का लेहँड़, चरवाही में पशुओं का लेहँड़)

लोई - लेवा, पोतन

लोकनी - मंथरा स्वभाव की औरत

लोकावल - एक हाथ से फेंक दूसरे हाथ में देना

लोलहा-बोलहा - बाल-बच्चा

लोला - गाल बजाने वाला, किस चीज में अधिक के लिए मुँह फुलाने वाला

लौठा (जवान) - कद-काठी से मजबूत

वासनी - प्रतिदिन का

वेतन - जिसमें शरीर से कम वुद्धि से अधिक काम किया गया हो

शोभनउक - शोभायमान

संगरहा - उपकरण/उपस्कर (मकान या कोई वस्तु बनाने या खेती बारी के लिए)

संगिरहा - इन्तजाम

संघारी - संहार या विनाश करने वाली

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

संथा - कपड़ा-लाता

संवकेर - सांयकाल से पहले (थोड़ा संवकेरे भोजन बना लऽ)

सउसे-सउसे - बहुत बड़ा-बड़ा

सखारी - जूठा

सगौती - कलिया, मीट

सटका - छड़ी

सतघाघड़ - सात अन्न का मिश्रण

सनचित - चुपचाप, शान्त, निश्चित

सबहर - सोहरौवल, चुल्हियालेवार, पूरे घर भर के लोगों का भोज पर निमंत्रण

सबील - औकात

सबुर - संतोष

समदानी - उदासी

समधिया - संदेश वाहक

सरीकी - दुकान

सहकल - मन का बढ़ना

सहत-महँग - जैसे भी

सहन - बैठका (मकान में)

साटा - तय-तपड़ा

साध - मनोकामना

सान - शाण(साण), शस्त्र पर धार

सानल - (सन्धम), मिलाना, गूंथना

साम - ढेंकी के मूसर में अथवा कठई गाड़ी के घूरा में लगाया जाने वाला लोहे का छल्ला

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

सामोद - संदेश

सिकहर - फूस के छान्ह या पक्का छत में लटकाने वाला पटसन से बना झोलेनुमा लटकन (हैंगर), जिसमें दूध दही आदि का बर्तन टांगा जाता है।

सिफला - देह चोर

सिमसिमाह - भींगा हुआ, मउगा

सिलपट - बराबर

सिहाइल - करेज फाटल (मानस में इ सका अर्थ प्रशंसा है)

सुकई - किसी कार्य में सुकसुकाह अर्थात् धीमड़

सुगुन - आदत

सुजनि - होनी, भवितव्य

सुथर - चिकन, साफ

सुबुक - आसानी

सुभई - सभ्य, आचरण-स्वभाव वाला/वाली

सुरका हेंगावल - जुताई के साथ ही हेंगौनी

सुरतकसाई - किसी का नुकसान करने में सुख का अनुभव करने वाला

सुरतहराम - नीच/छुद्र व्यवहार करने वाला

सेंवतावल - हल से मोटा जोतकर कियारी में बीज को डालना

सेखी बघारल - बढ़ चढ़कर बात करना

सेमरा - खेत की दो बार जुताई

सेम्हत - सम्मत, होलिका

सेराइल - सिराई, ठंढा होखल

सोकन - लाल (बैल, धान)

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

सोगही - शोक-ही (शोक लाने वाली) इसे 'मंगधोवनी' भी कहते है।

सोजहग - सम्पूर्ण, पूरा

सोटल - छरहरा शरीर

सोटल-साटल - चुस्त-दुरुस्त

सोनकटार - केंजूस

सोन्ह - सोंध

सोहबलिया - वर के साथ जाने वाला छोटा बच्चा

सोहल - शोभल, फसल से घास निकालना

सोहारी - अल्पाहार (सातू के पेट सोहारी से भरी?)

स्तर - आसन, पेवन

हइंचल - लात-मुक्का से पीटना

हउल - उमस, हवा न बहने की स्थिति में

हकनल - गला फाड़ कर रोना

हड़कासिन - लंठ जैसा व्यवहार करने वाली।

हड़बोंग - हल्ला मचाने वाला

हथछूटू - जल्दी हाथ चलाने वाला

हबर-हबर - जल्दी-जल्दी

हरबोलवा - जोकर, मजाकिया

हरहा - भागने वाले बछड़े या गाय-भैंस के गले में बंधा हुआ लकड़ी का लटकन

हरूस - अपशब्द

हरूस-पातर - अपशब्द

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

हर्ना - चूहा की एक प्रजाति

हलखोर - एक प्रकार की मनुष्य जाति

हलफ - क्रिया खाइल (तुलसी का पत्ता, ताम्बा या पीपल का पत्ता हाथ में लेकर)

हलल - चूभल

हलुक खेत - जिसमें उर्वराशक्ति कम हो

हहर - तरस (लइका मिठाई खातिर हहर गइल)

हहस - रूकावट, भय

हाँक - बुलाहट

हाँकना - पशु को हरकाना

हाब-डीब - भौकाल

हाली-हाली - जल्दी-जल्दी

हासे-हासे - आगे-पीछे होना

हाहास - गूंज, हल्ला, सनसनाहट (पानी हाहास बान्ह के आवऽता)

हिक्का - कोख

हिछ्धर - अधबेसर, न औरत न मर्द

हिमाकत - हिम्मत

हिर - भैंस को पानी में बिठाने का ध्वनि संकेत

हिसका - (हिस्सा) बराबरी करना

हुँकना - ठेलना, केहुनी या मुक्के से किसी के शरीर पर जोर से धक्का देना

हुरकावल - बेलावल, उकसाना, भगाना

हू लेले - ललकारते हुए पीछा करना

हूरल - ठूसल (भोजन के सन्दर्भ में)

Content given by BHU, Varanasi
Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

भोजपुरी लोक साहित्य एवं संस्कृति

हेंकड़ी - आत्माभिमान (उनकर एहिसन डंटाई भइल की हेंकड़ी गुम हो गइल)

हेंगावल - जुते खेत की मिट्टी को हेंगा से बराबर करना

हेठ - गुड़ की खखोरी, छोटा (जेठ भइले हेठ)

हेठार - महादेहाती, गंवार

हेल - पशु को नदी पौंडाते समय ध्वनि संकेत

हेलल - पानी पौंड़ना, नदी पार करना

हेलाह - पैदल ही पार कर जाने लायक पानी (नदी-नाला में)

हेव - पशु को रोकने का ध्वनि संकेत

हेहर - डाँट फटकार एवं पिटाई के बावजूद आदत न बदलने वाला।

होरहा - मकई का बाल, जिसमें दाना पूरा पका न हो

होहकारी - प्रोत्साहन

हौंकल - अग्नि को हवा देना

Content given by BHU, Varanasi

Copyright © Banaras Hindu University- All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.